नायक्स टयुटोरिअल्स

Way to Excellence

Year : 2025 - 2026 | नमुना प्रश्नपत्रिका - 3 | समय : २ घंटे

कक्षा :- १० वी | हिंन्दी - ५० | मुल्यांक :- ४०

विभाग ः १ गदय विभाग

प्र.१)अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियॉं कीजिए ः –

> ''कसूर माफ करना सेठ जी, मैं वही कलवाला महात्मा हूँ। मैं साधु-वाधु कुछ नहीं, आपका सेवक बहुरूपिया हूँ। जब आप जैसे चतुर आदमी को मैंने धोखा दे दिया, तो मुझे अपनी कला का बहुत बड़ा इनाम मिलना चाहिए।'' अपराधी भाव से बहुरूपिया सिर झुकाए खड़ा था।
>
> सेठ आश्चर्य के मारे आसमान से गिरा। फिर सँभलकर बोला – ''इनाम तो मैं तुझे दूँगा। सचमुच तूने अपने काम में कमाल कर दिया। लेकिन एक बात बता, कल जब मैं अपनी सारी संपत्ति तेरे पास ले आया था, तो तूने उसे क्यों नहीं स्वीकार किया ? अगर तू उसे ले लेता, तो आज तू सेठ होता। तुझे इस तरह इनाम माँगने की जरूरत नहीं रहती ?''
>
> बहुरूपिया नम्रता से बोला – ''सेठजी, यह बात मेरे मन में भी आई थी। इस समय सारी संपत्ति लेकर आज मैं कहीं का कहीं जा सकता था। फिर मेरे मन ने कहा कि यह गलत है। मैं संसारत्यागी महात्मा का रूप धारण किए हुए हूँ। अगर ऐसा काम करूँगा तो रूप में खोट आ जाएगी। रूप को सच्चा रखने के लिए यही उचित है कि मैं इस संपत्ति को त्याग दूँ। सो सच्चे महात्मा की तरह मैंने उसे त्याग दिया, तो लगा कि अब मेरा काम पूरा हो गया। अब आप जो इनाम मुझे देंगे, खुशी से ले लूँगा।''

(१) आकृति पूर्ण किजिए ः २

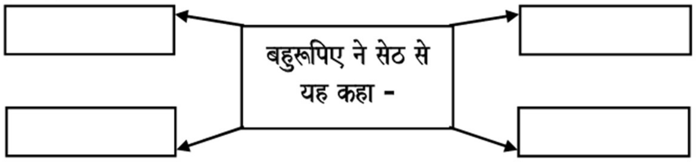

(२) १) निम्नलिखित शब्दों को लिंग पहचानकर लिखिए : १

१) इनाम

२) संपत्ति

२) गद्यांश में प्रयुक्त उर्दू शब्द लिखिए। १

१) ....

२)...............

(३) 'कला के प्रति ईमानदारी ही सच्चे कलाकार की पहचान है', इस सुवचन पर अपने विचार २५ से ३० शब्दों में लिखिए। २

प्र.१)अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियॉं कीजिए ः -

> शुरू-शुरू में कुछ लोग उसे प्रश्नवाचक निगाहों से देखते थे पर खोए हुए आदमी का चेहरा इतना विश्वसनीय और उसका व्यवहार इतना सरल और सहज था कि धीरे-धीरे उसके आलोचक भी उसके प्रशंसकों में बदल गए। लोगों को लगता था कि उसके पास कोई जादुई शक्ति है जिससे वह आसानी से समस्याओं के हल ढूँढ़ लेता है। हालाँकि खोए हुए आदमी ने हमेशा इस बात का खंडन किया। वह हर सफलता को गाँववालों के कठिन परिश्रम का परिणाम बताता था।
>
> वह लोगों से कहता-''आप सबके पास भी वही शक्तियाँ हैं, खुद को पहचानो। अपनी ऊर्जा को रचनात्मक और सकारात्मक कामों में लगाओ। जुड़ो और जोड़ो।'' इस तरह खोए हुए आदमी ने इलाके के लोगों में नया विश्वास भर दिया। लोगों में नया जोश, नया उत्साह आ गया।

(१) आकृति पूर्ण किजिए ः

१. १

खोए हुए आदमी का
- चेहरा था → ☐
- व्यवहार था → ☐

२. १

खोया हुआ आदमी लोगों से यह कहता था
- ☐
- ☐
- ☐

(२) कृति कीजिए ः २

उपसर्गयुक्त	शब्द बनाइए	प्रत्यययुक्त
......	आवश्यक	......
......	कर्म	......

(३) 'मानवता ही सच्चा धर्म है' पर अपने विचार लिखिए | २

विभाग ः २ पद्य विभाग

प्र.२)अ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः –

(१) संजाल पूर्ण कीजिए ः 1

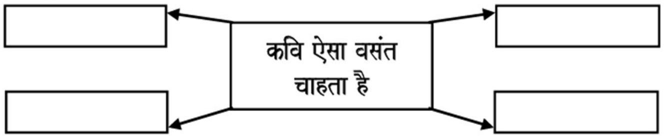

(२) निम्नलिखित शब्द के पर्यायवाची शब्द लिखिए ः 1

१) अधर → . . . . २) आँखे→ . . . .

ऐसा वसंत कब आएगा ?
जब मानवता के वन–उपवन का
हर प्रसून खिल पाएगा ?
ऐसा वसंत कब आएगा ?
लड़कर अभाव के पतझड़ से,
नव सर्जन रण में विजयी बन,
सुख–सुविधा रस के सम वितरण का
पा नवयौवनमय जीवन,
हर मनुज–कुसुम संतोषमयी
मुस्कान मधुर बरसाएगा
ऐसा वसंत कब आएगा ?

ऐसे वसंत कुछ चले गए,
प्रासादों ही का नहीं, कुटी का
आँगन भी तो है आँगन,
सुख–दुख पर होता है समान
हर मानव के उर में स्पंदन;
सबके प्राणों का पुलक बने,
ऐसा क्षण कौन बुलाएगा ?
ऐसा वसंत कब आएगा ?
कवि के मानस में स्वप्न बना
छाया था जो सीमित वसंत,
होगा जन–जन के जीवन में
साकार, विपुल जब वह अनंत,
जब मनुजों का जग, भू पर ही
अभिनव 'नंदन' बन जाएगा
ऐसा वसंत कब आएगा ?

सबका समान रवि है, शशि है,
सबका समान है मुक्त पवन;
सारे मानव यदि मानव हैं;
सबके समान हों भूमि–गगन
कब नवयुग ऐसी नव संस्कृति,
नव विश्व व्यवस्था लाएगा ?
ऐसा वसंत कब आएगा ?
सबको दे भोजन, वसन, भवन
जिससे जीवन में रस छाए,
खिल जाएँ अधर, हँस दें आँखें,
ऐसा वसंत जग में आए !
ऐसा वसंत तो ग्रीष्म–शिशिर
में भी वसंत कहलाएगा !
ऐसा वसंत कब आएगा ?

(३) अंतिम सात पंक्तियों का अर्थ लिखिए ः २
सबको दे . . . . वसंत कब आएगा |

प्र.२)आ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः –

सोंधी–सोंधी–सी सुगंध, माटी से बोली,
बादल बरस गया, धरती ने आँखें खोलीं ।

चारों ओर हुई हरियाली कहे मयूरा,
सदियों का जो सपना है हो जाए पूरा ।
एक यहाँ पर नहीं अकेला, होगी टोली,
सोंधी–सोंधी–सी सुगंध, माटी से बोली ।।

बाग–बगीचे, ताल–तलैया सब मुस्काएँ,
झूम–झूमकर मस्ती में तरु गीत सुनाएँ ।
मस्त पवन ने अब खोली है अपनी झोली,
सोंधी–सोंधी–सी सुगंध, माटी से बोली ।।

(१) आकृति पूर्ण किजिए ः

१. मघों के बरसने से हुए परिवर्तन 1

→ ....

→ ....

→ ....

→ ....

(२) पद्यांश में आए हुए शब्द – युग्म की जोड़ियाँ ढूँढ़कर लिखिए | 1

१) . . . . २) . . . .

(३) वर्षा ऋतु में प्रकृति में आए निखार के बारे में अपने विचार लिखिए | २

विभाग ३ – भाषा अध्ययन (व्याकरण)

प्र.३) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ः–

(१) सही शब्द छाँटकर लिखिए ः १

१. सितावकाश /शीतावकाश/सीतावकास /शितावकाश |

२. चहचाती /चहचहाती /चैहचहाती /चहचहाथी |

(२) निम्नलिखित अव्यय का वाक्य में प्रयोग कीजिए ः १

और |

(३) कालभेद पहचानिए तथा परिर्वन किजिए ः १

. . . . . . काल पहचानो	बदबू के कारण जीना मुश्किल हो रहा है		(पूर्ण भूतकाल (परिवर्तन) . . . .

(४) १.मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ः १

अंक में भरना |

२. अधोरेखांकित शब्द समूह के लिए उचित मुहावरे का च्यन करके वाक्य फिरसे लिखिए | १

(मन मै बैठना , चक्कर काटना)

दादाजी रोज सुबह अपने खेतों के फेरे लगाते है |

(५) कृति पूर्ण कीजिए ः 1

संधि शब्द	संधि विच्छेद	भेद
तपोबल	. . . .	. . . . . .
. . . . . .	अति + उक्ति	. . . . . .

(६) वाक्यों के प्रकार पहचानिए ः १

१. जब राष्ट्रपती भवन में उनके कमरे से संलग्न रसोई घर बन गया तब वे दिल्ली गई | (रचना के अनुसार)

२. आओ यहाँ बैठ जाओ । (अर्थ के अनुसार) 1

विभाग ४ उपयोजित लेखन

प्र.४अ) (१) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र तैयार कीजिए ः ४

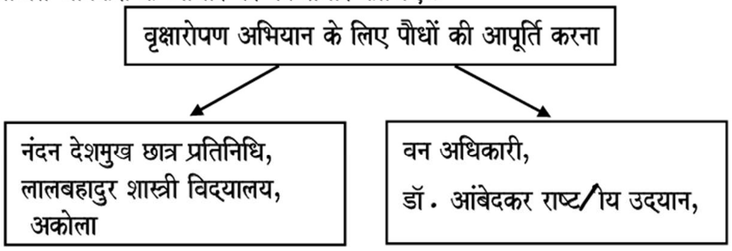

२) अपने मित्र। सहेली को वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त होने के उपलक्ष्य में मनाली।मनोज तिवारी , १०२ साईनगर,नागपुर से अभिनंदन करते हुए पत्र लिखती। लिखता है।

प्र.४.आ) निम्नलिखित जानकारी के आधार लगभग ५0 से ६0शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए ः ४

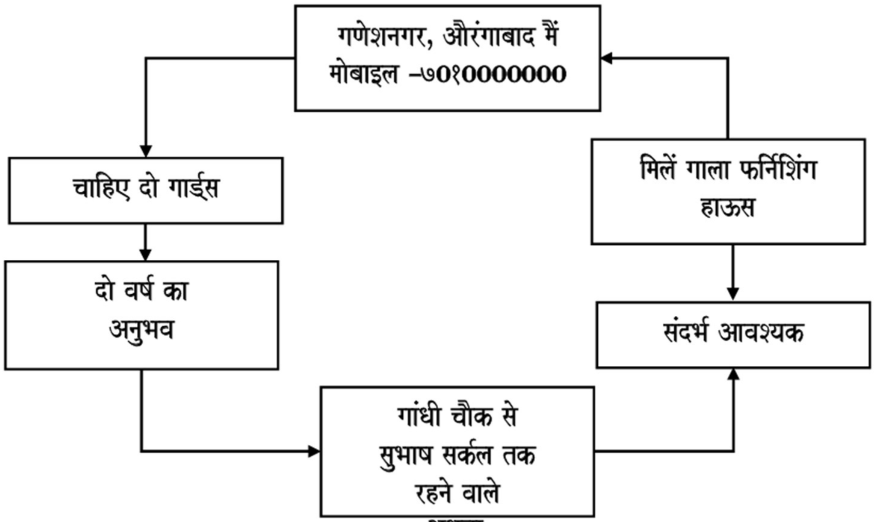

अथवा

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर परिच्छेद में एक – एक वाक्य में हों |

स्वामी रामतीर्थ एक बार जापान गए | वे रेल में यात्रा कर रहे थे | एक दिन ऐसा हुआ कि उन्हें खाने को फल न मिले और पन दिनों फल ही उनका भोजन था | गाड़ी एक स्टेशन पर ठहरी तो वहाँ भी उन्होंने फलों की खोज की, पर वे न पा सके | उनके मुँह से निकला – ' जापान में शायद अच्छे फल नहीं मिलते |" एक जापानी युवक प्लेटफार्म पर खडा था | वह अपनी पत्नी की ट्रेन में बैठाने आया था | उसने ये शब्द सुन लिए | वह अपनी बात बीच ही में छोड़कर भागा और कहीं दूर से एक टोकरी ताजे फल लाया | वे फल उसने स्वामी रामतीर्थ को भेंट करते हुए कहा – " लीजिए, आपको ताजे फलों की जरूरत थी |" स्वामी जी ने उसे फल – विक्रेता समझा और उससें फलों के दाम पूछे | युवक ने दाम लेने से इनकार कर दिया | बहुत आग्रह करने पर उसने कहा –"आप इनका मुल्य देना ही चाहते हैं, तो वह यह हे कि आप अपने देश में जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में अच्छे नहीं मिलते |"

प्र.४.इ) किसी एक विषय पर लगभग ७0 से ८0 शब्दों में निबंध लिखिए ः ४

१. एक पुराने मकान की आत्मकथा |

२. विज्ञापन से हानि – लाभ |